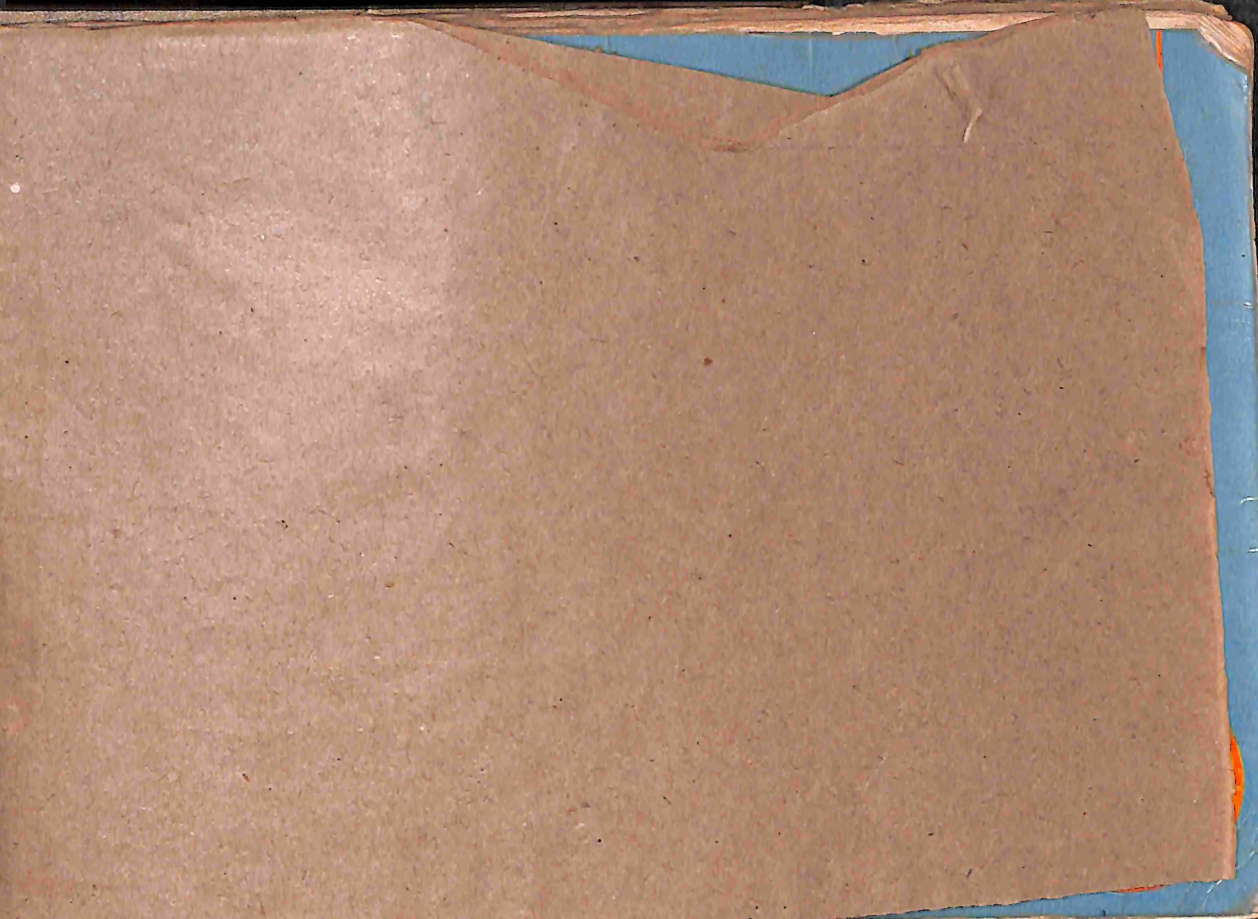
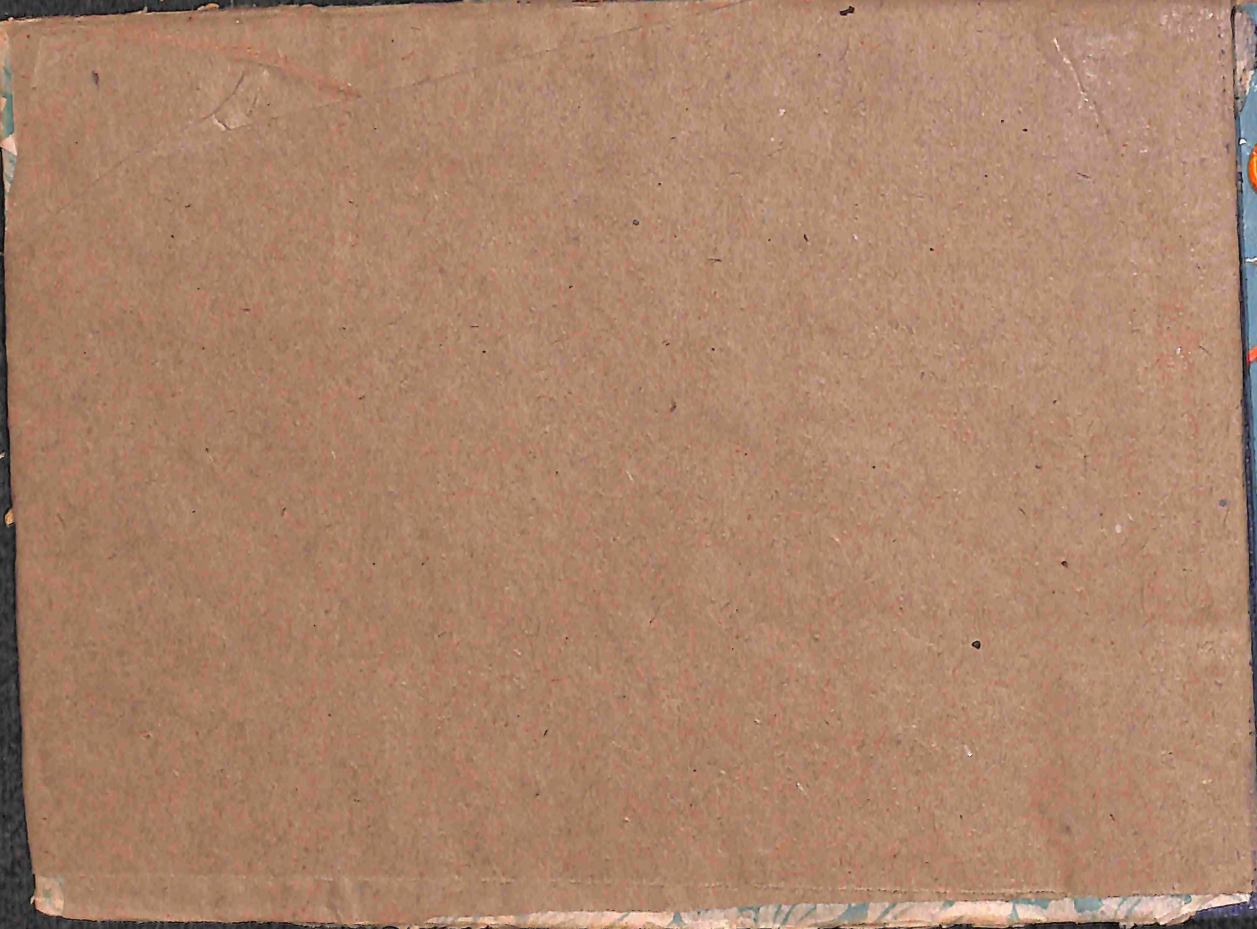


● 40425
2040
2224
1993-94







श्री
पञ्चाङ्ग



ब्राह्मण
महामण्डल,
काश्मीर
रजि

पारदा श्री वश्या

१९९३-९५

[illegible]

4.59

3.24.

0000

७३७५

[illegible]

मंत्रा ५०७ वैश्वरि उडापट मज्झिम निकाय कंठे कंसि जं मभीवमुचं गच्छः ०१०५ विं ०१०३
॥ ०१३३ ललित ५०७ उड दस्यो उठं भु जनिमति ह्या ५०७ ॥

[illegible]

[illegible][illegible][illegible]

[illegible]

मंन पं० गिरीजी १५५ स० क० ०००५१३६७७७ सुदरि ७५ मं० ३० मि० क० नि० क० रू०
[२] ००१९ जित्वा १८४८ जयन्त १८५३ [३०] ००॥ च० सुके। लुभउक के पुं० दुसरी उग जनम सो

[illegible]

[illegible]

मंका ५०७२ विहारी ३-५. सक ०७०५ १५ ११२ सुवारे ७५ से ३-मि. कब भिंकि कंरुनी बं। नूतनी
मंका ५०७३ विहारी ३-५. सक ०७०५ १५ ११२ सुवारे ७५ से ३-मि. कब भिंकि कंरुनी बं। नूतनी

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
0	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39
2	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49
3	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59
4	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69
5	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79
6	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89
7	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99
8	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09
9	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
0	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
1	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39
2	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49
3	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59
4	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69
5	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79
6	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89
7	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99
8	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09
9	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19

[illegible]

[illegible][illegible]

सिंहविष्णुद्वि ॥
सप्तयष्टपर्वीउभक्तुः ॥

वैष्णुदि

३५ लक्ष्मण स्त्रीवेदि नि ११९ मे
३१८० उक्त मेलन ॥ नि ७१ मे
००१३७ उक्त वलनभमः ॥

वैवदि

३ लक्ष्मण स्त्रीवेदि नि ११७ मे ११५ मे
उक्त मेलनभमः ॥ नि ११५ मे ११५ मे
वलन ॥ ०० लक्ष्मण स्त्रीवे पंथीनि
११७ मे ११८ उक्त मेलन ॥ नि ११५ मे
मे ११७ वलनभमः ॥

वैष्णुदि ३५ लक्ष्मण स्त्रीवेदि
नि ११७ मे ००१३८ उक्त मेलनभमः ॥
होमदि

११७ मे विदि नि ११५ मे ११५ मे
नि ११७ मे ००१३० कलन ॥

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
मिलन ॥ नि ११७ मे ००१३० उक्त मेलनभमः ॥

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
३१५ उक्त मेलनभमः ॥ नि ११७ मे
००१३७ उक्त कलनभमः ॥

वैष्णुदि -

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
मे ११५ उक्त मेलनभमः ॥

मे ११५ उक्त मेलनभमः ॥
११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
मे ११५ उक्त कलनभमः ॥

उक्त मेलनभमः ॥ नि ११७ मे
मे ००१३७ उक्त मेलनभमः ॥

कलनभमः ॥
३५ लक्ष्मण स्त्रीवेदि नि ११७ मे

११७ मे ००१३७ उक्त मेलनभमः ॥
मेलनभमः ॥

००१३७ उक्त मेलनभमः ॥
०१३ उक्त वलनभमः ॥

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
००१३७ उक्त मेलनभमः ॥

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे

मे ११५ उक्त मेलनभमः ॥
मे ११५ उक्त मेलनभमः ॥

वैष्णुदि - ११७ मे ११७ मे ११७ मे
००१३७ उक्त वलनभमः ॥

सप्तयष्टपर्वीउभक्तुः -

वैवदि -

००१३७ उक्त मेलनभमः ॥
००१३७ उक्त मेलनभमः ॥

वैष्णुदि -

३५ लक्ष्मण स्त्रीवेदि नि ११७ मे
३५ लक्ष्मण स्त्रीवेदि नि ११७ मे

००१३७ उक्त मेलनभमः ॥
००१३७ उक्त मेलनभमः ॥

००१३७ उक्त मेलनभमः ॥
००१३७ उक्त मेलनभमः ॥

होमदि -

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे

११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे
११७ मे ११७ मे ११७ मे ११७ मे

सुवर्णः -

१ मो वि र्मिनी नि ०३१० मे ३१८३८

नि ३१७ मे ५१०३८ के लयः

नि ०१०१ मे ००१५७ उक चं लयः

०१ मो वि र्मिनी नि ०११२ मे ००१३ चं लयः

१ २३ मे ५३० मे लयः

०१ मो वि र्मिनी नि ०१३० मे ०१३० मि

१ ३१५ मे ००१३० चं लयः

सुवर्णः -

०१ मो वि र्मिनी नि ०११२ मे ०११२

१ ३३३ मे ३३३ उक चं लयः

१ ३३३ मे ५१३ उक चं लयः

०१ मो वि र्मिनी नि ०११२ मे ०११२

१ ३३३ मे ००१५ उक चं लयः

०१ मो वि र्मिनी नि ०१३० मे ३३३

१ ३३३ मे ३३३ उक चं लयः

१ ३३३ मे ३३३ उक चं लयः

०१ मो वि र्मिनी नि ०११२ मे ०११२

१ ३३३ मे ३३३ उक चं लयः

१ ३३३ मे ३३३ उक चं लयः

१ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१०५ मे

३३३ उक चं लयः

नि ०३१७ मे ३३३ के लयः

मः

१ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१०५ मे

३३३ उक चं लयः

नि ०१५ मे ३३३ उक चं लयः

०१ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१५ मे

१ ३३३ उक चं लयः

३३३ उक चं लयः

३३३ उक चं लयः

सुवर्णः -

०१ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

सुवर्णः -

०१ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

०१ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

०१ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

३३ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

मे ०३३३ उक चं लयः

३३ सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

नि ००१० मे ०३३३ मे लयः

० सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ००३३ उक चं लयः

नि ००१२ मे ३३३ उक चं लयः

नि ००१५ मे ०३३३ मे लयः

सुवर्णः -

० सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

नि ००१३

मे ०३३३ उक चं लयः

० सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

नि ००१३ मे ०३३३ मे लयः

सुवर्णः -

० सुवर्ण वि र्मिनी नि ०१३०

मे ०३३३ उक चं लयः

७१ तवे सुते धर्मः । ७२ तवे सुते रम्ये
मन्त्रवर्तिः - ७३ तवे सुते बडिनी मि
००१५५५ । मन्त्रवर्ति । ७४ तवे सुते
धर्मः । ७५ तवे सुते धर्मः ।
तवे सुते - ७६ तवे सुते धर्मः ।
७७ तवे सुते धर्मः । ७८ तवे सुते धर्मः ।
७९ तवे सुते धर्मः । ८० तवे सुते धर्मः ।

मिनाभक्तिकाः वेद
 ७७ वक्ष्य सुख ०१ मिना ७३ मे
 ०३ वक्ष्य ७३ मे ७३ मे ७३ मे
 ७३ वक्ष्य मिना लक्षण भक्तिका
 लक्षण ७३।

कंवरि ३ ५ नवं सहे नवथं गि ३।०
 कंवरि ०५ नवं सहे सिडिरी
 २० नवं सहे थभुं गि ००।०५ मे। ३ नवं
 सहे रयेपुं। ३० नवं सहे ३।
 ४०५ नवं ०० छवीं ३० थभुं।
 ३० छवीं सहे रयेपुं। ३३ छन ३० नवं
 ५००। ३५

१५ दच हते मरिष्ट
गि ०९७५ मे। कवार्
१३ हन्नी मइ डीय।
३ मनु से पेसगी।
८ मनु सुहे मथनी।
१ मनु मइ रमथे।
२ मनु से कुल्लुं।

मदनवामुभुजः

वैदिकः -
उत्तराल रूपे वैदिकीय
उत्तराल मुक्त द्वितीय
गो ०१। वैदिकः -
उत्तराल गृह रज्जु
००५। उत्तराल
गृह गृह। उत्तराल
रूपे लघु। - उमा
गृह गृह। मोक्षोद
उत्तराल। ०१। ०५।
०१। उत्तराल
गृह। -
गृह। -
गृह। -

७० भां सत्र पक्षधरं
 ३५७ वृत्ते एवेष्टयं
 ५५७ छहे ३। छषह
 वदि: १५७ न सहे डीय
 गि ३। मे। १५७ वृत्ते पं
 धरकर ५५७ लो सहे हि
 गि ०। ३० मे। १५७ लो वृत्ते
 डीय गि ०। ३० उकर
 धरकर: - १५७ लो गे
 छहे सरी गि ०। ३० मे
 ३५७ लो वृत्ते दमदं।
 १५७ लो सीवे पक्षधर
 लो सहे ३। कृमुरि
 नवे छहे धर
 नवे छहे रप
 नवरि। ३५७ लो सीवे
 डीय गि ००। १० मे।
 रिसे छहे सरी गि
 १०० मे। अण्य मुरि ३५
 चगी वृत्ते धर। ३५७ चगी
 धर। छवरि।
 छचगी सहे डीय

३३ मनु के पंथनी (०३ मनु १ मनुली के डीम (

मुहे धपुं नि ३१० मे (०३/३ उर

३३ मनु के पंथनी (३० मनुली

मधविपुत्रः (

नैरुमिः (

३४ मनु रानी के ०३ उर

३४ मनु मुहे डीम (३१

३० उर ३ मनु लमुहे

ममयं (वेमदिः -

३४ मनु लमुहे, ३३ मनु ल

मुहे नि ००५ मे (३३ मनु रानी के ०३ उर

३४ मनु रानी के ०३ उर

३४ मनु रानी के ०३ उर

३४ मनु रानी के ०३ उर

३४ मनु रानी के ०३ उर

३४ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

मुहे न क मनुलीः

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

३३ मनु रानी के ०३ उर

७ नवे सुत

भक्तद्विः

००१०५५।५

धर्म १३३

ठवर्गः-

७३३३ ७

०३३३ ३

३३३३ ३

मिभर

७३३३ ३

०३ ७३३

७३३३ ३

लक्षव ३

कवर्गः

कवर्गः ०

७३३३ ३

७३३३ ३

७३३३ ३

७३३३ ३

७३३३ ३







